KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

अशोक के अभिलेख (Inscription of Ashoka)

↳ शेष भाग ---

Cave Edicts (गुहालेख)

Barabar Hill.

↳ अशोक ने बराबर की पहाड़ियों पर लिखवाया।

- ↳ न्योग्रोध (Nyogrodha) । न्यग्रोध
- ↳ खतालिक - I (Khatalik - I)
- ↳ खतालिक - II (Khatalik - II)

- गया, बिहार (Gaya, Bihar)
- अशोक ने आजीवकों को दान दिया।

* Cave donated by Ashoka (अशोक द्वारा दान किये गये गुफा) :-
  - Sudama (सुदामा)
  - Karna Chaupara (कर्ण-चौपड़)
  - Vishva Jhopari (विश्वझोपड़ी)

  - आजीवकों को दान
  - Barabar Hill — Gaya, Bihar

(अजीवको के लिए दशरथ द्वारा बनवाया गया गुफा)

Cave Built by Dasharath for Ajivika:-

Bihar (बिहार)

- Gopika Cave (गोपिका गुफा) → नागार्जुनी पहाड़ी (Nagarjuni Hill)
- Lomash Rishi Cave (लोमश ऋषि) → बराबर की पहाड़ी

Other Ruler of Maurya Dynasty
(मौर्य वंश के अन्य शासक)

→ Dasharath (दशरथ)

→ Sampriti (सम्प्रीति)

→ Brihadratha (बृहद्रथ)

- Last ruler of Maurya Dynasty.
  (मौर्य वंश का अंतिम शासक)
- He was killed by Pushyamitra Shunga.
  (इसकी हत्या पुष्य मित्र शुंग ने कर दिया)

Mauryan Administration (मौर्य प्रशासन)

* centralize Administration.
  (केन्द्रीयकृत प्रशासन)

* सर्वोच्च (supreme) :- King (राजा)

* राजा की सहायता के लिए :- (For the help of King)
  - पुरोहित
  - महामात्य
  - युवराज
  - महामात्र / तीर्थ - (18)

× कुल - 18 तीर्थ

महत्वपूर्ण (Imp):-

→ मंत्री या पुरोहित :- Brahmin. इनके सलाह से अन्य की नियुक्ति होती थी।

➤ 18 तीर्थ (महामात्र) /18 Tirtha (Mahamatra) -

1. मंत्री या पुरोहित - इन्ही की सलाह से अन्य की नियुक्ति होती थी ।
2. प्रदेष्ट्रा - फौजदारी न्यायालय (कण्टकशोधन) का न्यायाधीश था।.
3. नायक - सेना का संचालक था।
4. कार्मान्तिक - देश के उद्योग धन्धों का प्रधान निरीक्षक था ।
5 व्यवहारिक - दीवानी न्यायालय (धर्मस्थीय) का न्यायाधीश ।

1. Minister or priest - with their advice others were appointed.
2. Pradeshtra - was the judge of the Criminal Court (Kantakshodhan).
3. Nayak - was the operator of the army.
4. Karmantik - was the chief inspector of the country's industries.
5. Judge of Civil Court (Dharmasthiya).

6. दण्डपाल - सेना की सामग्री जुटाने वाला अधिकारी था ।
7. अन्तपाल - सीमावर्ती दुर्गों का रक्षक था।
8. दुर्गपाल - देश के भीतर के दुर्गों का प्रबन्धक था
9. नागरक या पुरमुख्य - नगर का प्रमुख अधिकारी था ।
10. प्रशास्ता - राजकीय कागजात सुरक्षित रखने वाला तथा राजकीय आज्ञा को लिपिबद्ध करने वाला अधिकारी था।

6. Dandpal - was the officer who collected the material of the army.
7. Antpal - was the protector of the border forts.
8. Durgpal - was the manager of the forts within the country
9. Nagarak or Purmukhya - was the chief officer of the city.
10. Prashasta - The official who kept the state papers safe and recorded the state orders.

11. दौवारिक - राजमहलों की देखरेख करने वाला अधिकारी था ।
12. आन्तर्वशिक - सम्राट की अंगरक्षक सेना का प्रधान था ।
13. आटविक - वन विभाग का प्रधान अधिकारी था ।
14. समाहर्त्ता - राजस्व का प्रधान अधिकारी था ।
15. सान्निधाता - राजकीय कोषाध्यक्ष था।

M. Imp.

11. Dauvarik - was the officer in charge of the palaces.
12. Antarvshik - The emperor's bodyguard was the head of the army.
13. Atvik - was the chief officer of the Forest Department.
14. Collector - was the chief officer of revenue.
15. Sannidhata - was the state treasurer.

Samaharta

16. मंत्रिपरिषदाध्यक्ष - यह मंत्रिमण्डल का अध्यक्ष होता था।
17. युवराज
18. सेनापति

16. President of the Council of Ministers - He used to be the chairman of the cabinet.
17. Yuvraj
18. Commander

* कौटिल्य प्रशासन हेतु सप्तांग सिद्धांतों का उल्लेख करता है।

राज्य के लिए आवश्यक

- राजा (1)
- राज्य (2)
- अमात्य (3)
- दुर्ग (4)
- बल (5)
- कोष (6)
- मित्र (7) — मित्र

प्रशासनिक इकाई (Administrative Unit)

* साम्राज्य → प्रांत (Province) → मण्डल / आहार / विषय (जिला) → स्थानिक (800 ग्राम)

↓

द्रोणमुख (400 ग्राम) → खर्वटिक (800 ग्राम) → संग्रहण (100 ग्राम) → ग्राम

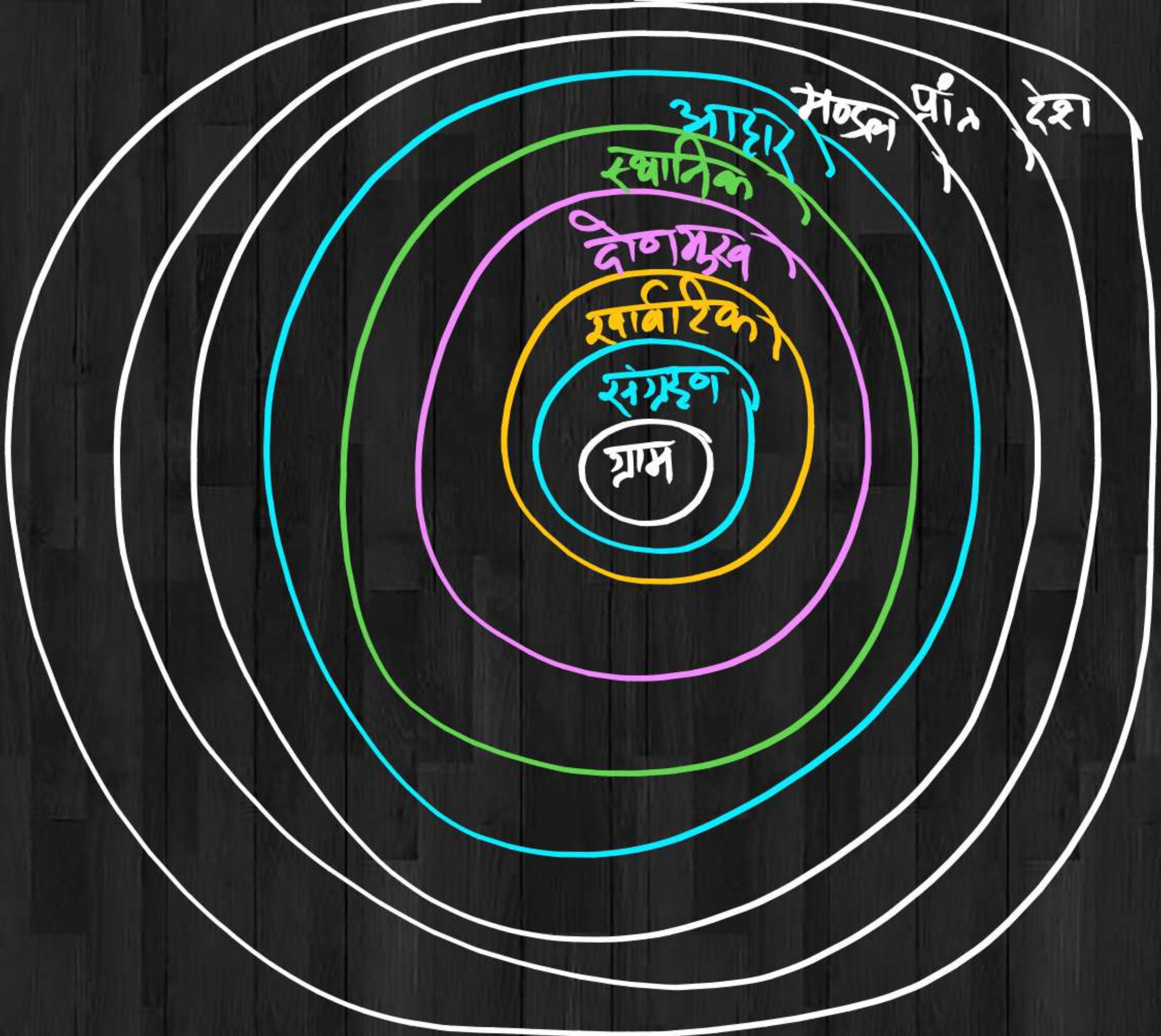
ग्राम
संग्रहण
खार्वटिक
द्रोणमुख
स्थानिक
आहार
मण्डल
प्रांत
देश

प्रांत :- चंद्रगुप्त मौर्य के समय → 4 प्रांत

अशोक " " → 5 "

* Chandragupta

		Capital
①	Uttarapatha (उत्तरापथ) —	Taxila (तक्षशिला)
②	Dakshinapatha (दक्षिणापथ) —	Suvarnagiri (सुवर्णगिरि)
③	Avanti (अवंति) :-	Ujjaini (उज्जैनी)
④	Prachi (प्राची) :-	Patliputra
⑤	Kalinga (कलिंग) :-	Tosali (तोसली) → अशोक द्वारा

* प्रांत का प्रमुख :- (Head of Province) - Prince (युवराज)

↳ for the help :- प्रांतीय महामात्र (मदद के लिए)

* प्रमुख अध्यक्षों की सूची :-

* पौतवाध्यक्ष :- माप तौल विभाग का अध्यक्ष
* मुद्राध्यक्ष :- पासपोर्ट " " "

➤ प्रान्तों का शासन वायसराय रूपी अधिकारी द्वारा होता था। यह राजवंश से संबधित होते थे। अशोक के अभिलेखों में इन्हे 'कुमार' या 'आर्यपुत्र' कहा गया है।

➤ केन्द्रीय शासन की भांति यहाँ भी एक मंत्रिपरिषद होती थी। दिव्यावदान के अनुसार यह परिषद सम्राट से सीधे सम्पर्क में थी ।

➤ केन्द्र से सम्राट महामात्रों को प्रान्तीय निरीक्षण के लिए भेजता था।

➤ The provinces were ruled by an officer in the form of Viceroy. It was related to the dynasty. In the records of Ashoka, he has been called 'Kumar' or 'Aryaputra'.

➤ Like the central government, there used to be a council of ministers here too. According to Divyavadan, this council was in direct contact with the emperor.

➤ The emperor used to send Mahamatras from the center for provincial inspection.

* **अकाराध्यक्ष** :- खानों का अध्यक्ष - विभाग
(Akaradksha) (Head of Mines department.

* **सीताध्यक्ष** :- राजकीय कृषि विभाग का अध्यक्ष
(Sitadayaksha)

* विषय का प्रमुख :- विषयपति कहलाता था।
(Vishayapati)

* स्थानीय प्रशासन :- स्थानिक के आधीन होता था।

(इसके आधीन गोप होता था
था जो कि 10 गांवों का
प्रशासन देखता था)

प्रमुख अधिकारी :-

→ युक्तक (Yuktaka) :- जिले का राजस्व वसूलता था।

→ रज्जुक (Rajjuka) :-
पहले राजस्व के भूमि की पैमाइश करता था।
बाद में न्यायिक अधिकार भी मिल गया।

➤ प्रमुख अध्यक्षों की सूची /List of prominent presidents -

शुल्काध्यक्ष - करों को वसूलने वाला। चुंगी विभाग का अध्यक्ष।

सुराध्यक्ष - शराब निर्माण की देखरेख करने वाले विभाग का अध्यक्ष था।

कुप्याध्यक्ष - वन संपदा का अध्यक्ष था ।

मुद्राध्यक्ष - पासपोर्ट विभाग का अधिकारी था।

Karyakarta - The one who collects taxes. Head of Excise Department.

Suradhyaksha - was the head of the department that looked after the manufacture of liquor.

Kupyadhyaksha - was the head of forest wealth.

Stamper - was the officer of the passport department.

पौतवाध्यक्ष - माप-तौल विभाग का अध्यक्ष था ।
पण्याध्यक्ष - वाणिज्य विभाग का अध्यक्ष था ।
सूनाध्यक्ष - बूचड़खाने का अध्यक्ष था ।
आकराध्यक्ष - खानों का अध्यक्ष था ।

Pautvadhyaksha - was the head of the measurement and weighing department.
Panyadhyaksha - was the head of the commerce department.
Sunadhyaksha - Was the president of the slaughterhouse.

गणिकाध्यक्ष - वेश्याओं का निरीक्षक था ।
सीताध्यक्ष - राजकीय कृषि विभाग का अध्यक्ष था ।
लोहाध्यक्ष - धातु विभाग का अध्यक्ष था ।
लक्षणाध्यक्ष - छापेखाने का अध्यक्ष था ।

Akaradhyaksha - was the head of the mines.

Ganikadhyaksha - was the inspector of prostitutes.

Sitadhyaksha - was the head of the State Agriculture Department.

Lohadhyaksha - was the head of the metallurgical department.

गोऽध्यक्ष - पशुधन विभाग का अध्यक्ष था ।
सूत्राध्यक्ष - कताई बुनाई विभाग का अध्यक्ष था।
विवीताध्यक्ष - चारागाहों का अध्यक्ष था ।
नवाध्यक्ष - जहाजरानी विभाग का अध्यक्ष था ।

Lakshanadhyaksha - was the head of the printing house.

Goddhyaksha - was the head of the livestock department.

Sutradhyaksha - was the head of the spinning weaving department.

Vividhyaksha - was the head of pastures.

Navadhyaksha - Was the head of the shipping department.

पत्तनाध्यक्ष - बन्दरगाहों का अध्यक्ष था ।
संस्थाध्यक्ष - व्यापारिक मार्गों का अध्यक्ष था
देवताध्यक्ष - धार्मिक संस्थाओं का अध्यक्ष था ।
स्त्रैयाध्यक्ष - महिलाओं के नैतिक आचरण की देखरेख करने वाला अधिकारी था।

Port President - was the head of the ports.
institution head - was the head of trade routes
Devatadhyaksha - was the head of religious institutions.
Strayadhyaksha - was the officer who looked after the moral conduct of women.